फर्द अहकाम

अशोक बनाम जगदीश व अन्य

नाम न्यायालय – सहायक कलक्टर जयपुर शहर प्रथम

केस संख्या– टी.आई - 36/2019

04/3/2021

पत्रावली आज वास्ते आदेश पेश हुई। वकील उभयपक्ष उपस्थित। दोनो प्रार्थना पत्रों टी.आई. 30/2018 उनवानी जगदीश बनाम रामरानायण व टी.आई 36/2019 अशोक बनाम जगदीश का मनन कर पाया कि दोनो मे सभी पक्षकार समान है व विवादित भूमि ग्राम चेतावाला तहसील आमेर, जिला जयपुर में स्थित खसरा न. 3 रकबा 8 बीघा 4 बिस्वा, खसरा न. 4 रकबा 3 बीघा 18 बिस्वा के हाल खसरा न. 2 रकबा 0.88 हैक्टेयर, खसरा न. 3 रकबा 0.90 हैक्टेकयर ,खसरा न. 4 रकबा 0.02 हैक्टेयर, खसरा न. 5 रकबा 1.26 हैक्टेयर समान है। प्रतिवादी /अप्रार्थी संख्या 2,3 व 4/1, 4/2, 4/3, 4/4 के अधिवक्ता ने जवाब पेश किया व वास्ते बहस पेश हुये। वादी/प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र 30/2018 व प्रतिवादी/अप्रार्थी 3 व 4/1, 4/2, 4/3, 4/4 ने प्रार्थना पत्र 36/2019 में विवादित उक्त लिखित खसरा न. में अंतरिम अस्थाई निषेधाज्ञा हेतु निवेदन किया। अपनी बहस में भी वादी/प्रार्थी व प्रतिवादी/अप्रार्थी 3 व 4/1, 4/2, 4/3, 4/4 ने टी.आई. हेतु सहमती दी। वादी ने लिखित बहस पेश की। प्रार्थी/वादी ने लिखित बहस पेश कर पुनः निवेदन किया कि अप्रार्थी किसी भी तरह से प्रार्थी को उसके कब्जेकाशत व उसके हिस्से की भूमि से बेदखल करना चाहते है। अतः तावाद उनको अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना आवश्यक है;

उभयपक्षों की बहस एवं पत्रावलियो का मनन कर पाया कि प्रकरण दिनांक 06.09.2013 से विचाराधीन है। इस दौरान कई बार मारपीट इत्यादी की जानकारी भी आयी है। जिसके सबूत पत्रावली में शामिल है। यदि अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबद नही किया गया तो वादी की बहुल्यता बढेगी व प्रार्थी /अप्रार्थी की क्षति भी हो सकती है अतः न्यायालय विवादित भूमि ग्राम चेतावाला तहसील आमेर, जिला जयपुर मे स्थित खसरा न. 3 रकबा 8 बीघा 4 बिस्वा, खसरा न. 4 रकबा 3 बीघा 18 बिस्वा के हाल खसरा न. 2 रकबा 0.88 हैक्टेयर, खसरा न. 3 रकबा 0.90 हैक्टेकयर ,खसरा न. 4 रकबा 0.02 हैक्टेयर, खसरा न. 5 रकबा 1.26 हैक्टेयर न। उभयपक्षो को वाद के निस्तारण तक मौका व राजस्व रिकॉर्ड की यथास्थिति बनाये रखने हेतु पाबंद करता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दर्ज नंबर से कम होकर दाखिले दफ्तर हो। निर्णय आज दिनांक को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

सहायक कलक्टर

Signature Not Verified
Digitally signed by Arshdeep Brar
Date: 2021.11.01 15:16:37 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner